टाइम्स ऑफ इंडिया प्रस्तुत करते हैं
विज्ञापन युद्ध पर महान विवाद
रिपोर्ट पृष्ठ ५ पर

नवभारत टाइम्स

अन्दर

हिटलरों से सिर्फ घृणा की जा सकती है। —विष्णु खरे— पृष्ठ ४

वर्ष ४३ □ संख्या ११९ □ आठ पृष्ठ □ एक रुपया | वैशाख ११ शक १९११, वैशाख कृष्ण १०, विक्रम २०४६ | नई दिल्ली, सोमवार, १ मई, १९८९ | दिल्ली, बम्बई, लखनऊ, जयपुर और पटना से प्रकाशित

प्रधानमंत्री की बेंगलूर में घोषणा

हेगड़े, बोम्मई के विरुद्ध आरोपों की जाँच होगी

बेंगलूर, २९ अप्रैल (प्रेट्र)। प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी ने आज यहां कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रामकृष्ण हेगड़े और श्री एस.आर. बोम्मई के विरुद्ध आरोपों की जांच केन्द्र सरकार करवाएगी।

बेंगलूर हवाई अड्डे पर पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुए श्री गांधी ने कहा कि मैंने समाचार पत्रों में पढ़ा है कि श्री हेगड़े और श्री बोम्मई ने इन आरोपों की जांच की मांग की है। 'यदि उन्हें लगता है कि यह जांच जरूरी है तो हमें यह जांच क्यों नहीं करनी चाहिए ?'

श्री राजीव गांधी ने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री बूटासिंह पर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बोम्मई द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया। श्री बोम्मई ने आरोप लगाया था कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री बूटासिंह ने कर्नाटक में बोम्मई सरकार गिराने के लिए जनता दल के विधायकों को खरीदा था।

श्री गांधी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। इसलिए इन आरोपों की जांच की जरूरत नहीं है।

एक पत्रकार ने श्री गांधी का ध्यान जनता दल नेता श्री रामकृष्ण हेगड़े की टिप्पणी की ओर दिलाया। इसमें श्री हेगड़े ने कहा था कि बोम्मई सरकार गिराने से कर्नाटक आगामी चुनाव में कांग्रेस के लिए 'वाटरलू' साबित होगा। इस पर श्री गांधी का कहना था कि कर्नाटक विपक्ष के लिए 'वाटरलू' साबित होगा।

पत्रकारों ने श्री गांधी से पूछा कि अब कर्नाटक में चुनाव कब करवाए जाएंगे। इस पर उनका उत्तर था, 'चुनाव तब करवाए जाएंगे, जब राज्यपाल कहेंगे।'

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री गांधी ने कहा कि कर्नाटक की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। लेकिन वह यह नहीं स्पष्ट कर सके कि हालत कितनी खराब है। श्री गांधी ने कहा कि इस बारे में मैं राज्यपाल से बातचीत करूंगा।

कर्नाटक में भविष्य के कार्यक्रम के बारे में श्री गांधी ने बताया कि कांग्रेस समाज के कमजोर और गरीब तबकों को ऊपर उठाने के लिए प्रयास करेगी।

इससे पूर्व हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी का भव्य स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री पी. वेंकटसुबैया, केन्द्रीय मंत्री श्री बी. शंकरानन्द, श्री सी.के. जफर शरीफ, श्रीमती मार्गरेट अल्वा, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र पाटील सहित कांग्रेस के अनेक नेता इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री गांधी के स्वागत में शहर के अनेक हिस्सों में बड़े-बड़े पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। जिस सड़क से श्री गांधी को गुजरना था, उसके दोनों ओर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता खड़े थे। श्री गांधी हवाई अड्डे से सीधे विधानगर गए। वहां उन्होंने दक्षिण राज्यों के पंचायत राज सम्मेलन में समापन भाषण दिया। केन्द्रीय गृहमंत्री श्री बूटासिंह और गृह राज्यमंत्री श्री चिदम्बरम भी प्रधानमंत्री के साथ थे।

दक्षिणी राज्यों के पंचायत राज सम्मेलन में श्री राजीव गांधी ने इस सम्मेलन में सहयोग न देने के लिए दक्षिण के गैर कांग्रेस शासित राज्यों की कड़ी आलोचना की। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार को बर्खास्त करने और वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने के विरोधस्वरूप तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के मुख्यमंत्रियों ने इस सम्मेलन का बहिष्कार करने का निर्णय किया था। इस पर श्री गांधी ने कहा कि यहां उपस्थित प्रतिनिधि पंचायत राज्य व्यवस्था के प्रति ज्यादा गंभीर और ज्यादा समर्पित हैं।

बहिष्कार के निर्णय पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिमी बंगाल में भी गैर कांग्रेसी सरकार है लेकिन अन्य गैर कांग्रेस शासित राज्यों के मुकाबले वहां पंचायत राज व्यवस्था बेहतर ढंग से काम कर रही है।

श्री गांधी ने कहा कि कुछ दक्षिणी राज्यों का दावा है कि उनकी व्यवस्था बेहतर है जबकि अन्य राज्य अपनी व्यवस्था को सर्वश्रेष्ठ कहते हैं। आंध्र में श्री एन.टी. रामाराव की सरकार और कर्नाटक में जनता दल की पूर्व सरकार के सारे दावे खोखले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दोनों राज्यों में चल रही पंचायती राज व्यवस्था में कुछ खूबियां हैं लेकिन कमियां भी कम नहीं हैं।

कर्नाटक की व्यवस्था का जिक्र करते हुए श्री गांधी ने बताया कि यहां कोई भी सरपंच अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों का नहीं है। इतना ही नहीं, किसी पंचायत में कोई महिला भी सरपंच नहीं है। उन्होंने सवाल किया : 'क्या हम देश में इस तरह की व्यवस्था चलाना चाहते हैं।'

फारूक एक वरिष्ठ मंत्री को नहीं रखेंगे

श्रीनगर, २९ अप्रैल (यून्यू, प्रेट्र)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि नए मंत्रिमंडल में नेशनल कांफ्रेंस के एक वरिष्ठ मंत्री को शामिल नहीं किया जाएगा।

श्री अब्दुल्ला यहां शेर-ए-कश्मीर काम्प्लेक्स में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल में सिर्फ एक या दो नए सदस्य शामिल किए जाएंगे। सदस्यों की अधिकतम संख्या २१ होगी। मंत्रिमंडल द्विस्तरीय होगा। शपथ ग्रहण समारोह एक या दो दिनों में होगा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस के मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले सदस्यों की सूची को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के संयुक्त मंत्रिमंडल का पुनर्गठन एक-दो दिनों में पूरा हो जाएगा।

इस बीच दिल्ली गए कांग्रेस के सभी सदस्य एक विशेष विमान से जम्मू लौट आए। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि कांग्रेसी मंत्रियों की सूची को केंद्रीय मंत्रियों की एक बैठक में अंतिम रूप दे दिया गया है। बैठक में गृहमंत्री बूटा सिंह, रक्षा मंत्री कृष्ण चंद्र पंत, कांग्रेस महासचिव गुलाम नबी आजाद और केदारनाथ सिंह उपस्थित थे। इस सूची पर प्रधानमंत्री की मंजूरी ली जाएगी।

उधर कांग्रेस महासचिव वी.एन. गाडगिल ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि मंत्रियों के नाम का फैसला आज देर रात या कल सुबह तक हो जाएगा।

उन्होंने इस खबर का खंडन किया कि कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस से सहयोग नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस को कांग्रेस का सहयोग जारी रहेगा।

जम्मू से मिली खबर के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री बूटा सिंह ने आज मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से बात की। दोनों में पुनर्गठन के मसले पर बातचीत हुई।

जम्मू-कश्मीर संबंधी मामलों के प्रभारी महासचिव केदारनाथ सिंह प्रधानमंत्री के साथ बंगलूर गए हुए हैं। समझा जाता है कि मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप वहीं दिया जाएगा।

भारतीय मिसाइल पर अमेरिकी रुख अनुचित

न्यूयार्क, ३० अप्रैल (प्रेट्र)। भारत ने अमेरिका से कहा है कि बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए भारत को अलग कर देखना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। अमेरिका का भारत के प्रति यह रवैया तर्कसंगत नहीं है क्योंकि भारत से पहले करीब एक दर्जन देशों ने इस तरह की क्षमता अर्जित कर ली है।

सूत्रों के अनुसार इस सप्ताह भारत द्वारा मध्यम दूरी तक मार करने वाली मिसाइल 'अग्नि' के परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में अमेरिकी कांग्रेस में इस आशय के प्रस्ताव पारित होने की सम्भावना है कि भारत के खिलाफ व्यापार प्रतिबन्ध लगा दिए जाएं। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य विकासशील देशों में मिसाइल कार्यक्रम पर चिन्ता व्यक्त करते रहे हैं लेकिन उनमें से कुछ केवल भारत की आलोचना ही करते हैं।

अमेरिका में भारत के राजदूत श्री पी.के. कौल ने बुश प्रशासन से कहा है कि भारत का मिसाइल कार्यक्रम पूर्णतः स्वदेशी प्रयास से और देश के विकास के लिए है।

अमेरिकी विदेश उपमंत्री श्री राबर्ट किमिट के साथ ४० मिनट की मुलाकात में श्री कौल ने भारत की स्थिति स्पष्ट कर दी है।

श्री कौल ने श्री किमिट से कहा कि भारत ने बार-बार कहा है कि इसका परमाणु कार्यक्रम सैनिक उद्देश्यों के लिए नहीं है यही बात मिसाइल कार्यक्रम पर भी लागू होती है।

भारत ने अमेरिका से कहा कि जब कई अन्य देशों ने मिसाइल बनाने की क्षमता हासिल कर ली हो तो अकेला भारत के खिलाफ ही निन्दात्मक बयान देना तर्कसंगत नहीं है। कई अन्य विकासशील देशों ने जब अपने मिसाइल विकसित किए तो अमेरिका ने उनके खिलाफ कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाए। उनमें से कुछ देशों ने तो अन्य देशों को भी मिसाइल बेचने का आपत्तिजनक काम किया है।

श्री कौल ने आज इस एजेंसी से कहा कि भारत को अलग कर देखना अनुचित है। हमारा कार्यक्रम पूर्णतः स्वदेशी है और इसमें तकनीकी हस्तांतरण का कोई मामला नहीं है।

भारतीय राजदूत ने श्री किमिट से मुलाकात इन प्रस्तावित कदमों के संदर्भ में की कि अमेरिका भारत को तकनीकी निर्यात पर रोक लगाना चाहता है तथा व्यापार में रुकावटें डालना चाहता है। अगले महीने अमेरिकी कांग्रेस में इन प्रस्तावित कदमों पर विचार होने की सम्भावना है।

जहां एक ओर अमेरिकी कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने भारत के मिसाइल कार्यक्रम की आलोचना की है, एक अमेरिकी सैन्य विश्लेषक का कहना है कि भारत की मिसाइल क्षमता पश्चिम की आंख में कांटे के समान है।

शिकागो विश्वविद्यालय के सैन्य विश्लेषक श्री एशली टेलिस के अनुसार भारत के खिलाफ प्रतिबन्ध लगाने का प्रस्ताव भारत को एक 'उदाहरण' के रूप में पेश करना है ताकि अन्य देश सबक लें। भारत के खिलाफ कदम उठाना एक अच्छा बहाना और मौका है।

श्री टेलिस ने अनुसार अमेरिका चीन को नाराज नहीं करना चाहता और इस्राइल के साथ उसके सामरिक रिश्ते हैं। श्री पी.के. कौल ने मिसाइल मुद्दे पर भारत की स्थिति स्पष्ट करने के लिए कई अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की है। उनमें से कई ने सहमति जताई है कि भारत को अलग कर नहीं देखा जाना चाहिए।

श्रीलंका के विवाद के शांतिपूर्ण हल की मांग

लंदन, ३० अप्रैल (प्रेट्र)। द्वितीय अंतरराष्ट्रीय तमिल सम्मेलन में यहां श्रीलंका विवाद को शीघ्र खत्म करके शीघ्र ही जातीय समस्या के राजनीतिक समाधान के लिए वार्ता आरंभ करने की मांग की गई।

इस सम्मेलन में कई प्रमुख तमिल नेता और बुद्धिजीवी उपस्थित थे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री करुणानिधि इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। उपस्थित नेताओं ने कहा कि श्री करुणानिधि ऐसा रास्ता अख्तियार करने में सक्षम हैं, जिससे दिल्ली सरकार और लिट्टे दोनों संतुष्ट रह सकें।

कुछ लोगों ने यह भी कहा कि भारत की आंतरिक स्थिति में बदलाव के बाद ही द्वीप की जातीय समस्या का समाधान संभव हो गया।

— जयपुर, ३० अप्रैल (प्रेट्र)। श्री हरिदेव जोशी आगामी १० मई से असम के राज्यपाल का पद संभालेंगे।

कल ही दिल्ली से लौटकर आए श्री जोशी ने बताया कि असम के राज्यपाल के रूप में सेवा का मौका दिया जाना मेरा सौभाग्य है।

चीन में छात्र और सरकार प्रतिनिधियों में वार्ता

पेइचिंग, ३० अप्रैल (तानजुग, डीपीए)। चीन सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने आज अधिक आजादी की मांग कर रहे छात्रों से सीधी वार्ता की। यह बैठक कई घंटे चली, जिसे टेलीविजन और रेडियो पर भी प्रसारित की गई। सरकार से वार्ता के लिए छात्रों की यह पहली शर्त थी।

लेकिन नवस्वतंत्र पेइचिंग छात्र समितियों के प्रतिनिधियों ने बैठक को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। छात्र समितियों की शिकायत है कि यह बैठक सरकारी छात्रसंघों के माध्यम से आयोजित करवाई गई है।

उल्लेखनीय है कि चीन में हू याओ पांग के निधन के बाद हुए छात्र आंदोलन के दबाव में आकर छात्रों और सरकार की पहली बैठक है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए पेइचिंग विश्वविद्यालय के छात्र नेताओं ने कहा कि नवगठित छात्र समितियों के साथ वार्ता को ही वे मान्यता देंगे।

छात्रों के साथ उक्त बैठक में चीनी नेतृत्व ने छात्रों से आह्वान किया कि वे कक्षाओं का बहिष्कार खत्म करें। सरकारी प्रवक्ता युवान मू ने चीनी नेतृत्व की तरफ से माफी भी मांगी, लेकिन वह छात्रों को कक्षा में लौटने को प्रेरित नहीं कर सके। उम्मीद है कि छात्रों का यह आंदोलन चार मई आंदोलन की ७० वीं वर्षगांठ तक चलेगा।

प्रवक्ता युवान मू ने कहा कि चीनी नेतृत्व खासकर प्रधानमंत्री ली फंग अपने छात्रों को यह समझाना चाहते हैं कि रनमिन रिपाओ (जन दैनिक) में छात्र आंदोलन के बारे में जो कहा गया है कि पार्टी और समाजवाद का विरोध करने वाले लोग प्रदर्शनकारी छात्रों में घुसे हुए हैं, उसका अर्थ यह था कि वे कानून तोड़ने वाले लोग हैं न कि आम छात्र समुदाय।

इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने अमेरिका द्वारा चीन में चल रहे छात्र आंदोलन पर अपनाए गए रुख पर असंतोष व्यक्त किया है। प्रवक्ता ने कहा है कि छात्र आंदोलन चीन का अंदरूनी मामला है, इसलिए अमेरिका द्वारा उस पर टिप्पणी करना अवांछनीय है।

कांग्रेसी नेता की हत्या

हैदराबाद, २९ अप्रैल (प्रेट्र)। शाहबाद मंडल के कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीपति रेड्डी की आज यहां हत्या हो गई। इस घटना के कारण पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया।

पुलिस ने बताया कि श्रीपति रेड्डी पर पांच लोगों ने कातिलाना हमला किया था।

गैस पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा के लिए नोटिस

—विशेष संवाददाता—

नई दिल्ली, ३० अप्रैल। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, [illegible]

[illegible] क्लोरीन दुर्घटना के पहले से उच्चतम न्यायालय में दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया था कि यह कारखाना खतरनाक ढंग से [illegible]

सफदरजंग एनक्लेव में दम्पती की हत्या

—नगर संवाददाता—

नई दिल्ली, २९ अप्रैल। सफदरजंग एन्क्लेव में कल रात कुछ लुटेरे एक युवा दम्पती की हत्या करने के बाद घर का कीमती सामान लेकर फरार हो गए। अपराधियों के बारे में अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। विनय नगर थाना और अपराध शाखा के पुलिसकर्मी इस वारदात की जांच-पड़ताल में लगे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक प्रदीप सिंह (३५) और उनकी पत्नी मनिन्दर कौर (३०) की खून में लथपथ लाशें आज सुबह उनके घर में पड़ी मिलीं। सुबह उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो प्रदीप के भाई हरिन्दर सिंह ने दरवाजा खटखटाया। तब भी दरवाजा न खुलने पर उसे शक हुआ और उसने खिड़की से झांक कर देखा कि उसके भाई और भाभी मृत पड़े हैं और खून बह रहा है। इस पर हरिन्दर ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पुलिस ने पाया कि जिस कमरे में युवा दम्पती सो रहे थे, उसमें सामान इधर-उधर बिखरा था। खिड़की के शीशे टूटे हुए थे। घर में रखे रुपए और जेवरात गायब थे। मृतकों के सिर पर चोट के कई निशान थे। बिस्तर और फर्श पर खून बहा हुआ था। गायब रुपए और जेवरात की निश्चित मात्रा अभी मालूम नहीं हुई है।

अपराध शाखा के विशेषज्ञों और जासूसी कुत्तों से मदद लेने के बावजूद अभी इस घटना के बारे में पुलिस किसी निश्चित बिन्दु पर नहीं पहुंची है। कई कोणों से जांच की जा रही है।

ज्ञात हुआ है कि प्रदीप सिंह फिल्म वितरण का काम करता था। भागीरथ पैलेस में उसका दफ्तर था। घर के अगले हिस्से में प्रदीप परिवार और पिछले हिस्से में प्रदीप का भाई हरिन्दर सिंह रहता था। उनके दो भाई और माता-पिता अमेरिका में हैं। मृतक पति-पत्नी कल रात साढ़े ग्यारह बजे कहीं से घूम-फिर कर घर लौटे थे और आकर सो गए थे।

पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजे हैं। पोस्टमार्टम कल होगा। आज जांच-पड़ताल के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

सफदरजंग एन्क्लेव में लुटेरों के हाथों मारे गए प्रदीप सिंह और मनिंदर कौर के शोकसंतप्त रिश्तेदार।

वि.प्र. सिंह को पूरे आराम की सलाह

नई दिल्ली, २९ अप्रैल (यून्यू)। जनता दल अध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह को पूरे आराम की सलाह दी गई है। उन्हें कल थकान की शिकायत के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दाखिल कराया गया था।

फिलहाल उनके चार-पांच दिनों तक अस्पताल में रहने की संभावना है।

आज उन्हें देखने के लिए चन्द्रशेखर और मुलायम सिंह यादव भी गए।

आसमान से टपकी लाल-लाल बूंदें

मद्रास, २९ अप्रैल (यून्यू)। कन्याकुमारी जिले में अलगापुरम में करीब ७५ लोगों पर रहस्यमय लाल बूंदें आसमान से गिरी हैं जो रक्त जैसी हैं।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री पोनमुडी ने राज्य विधानसभा को बताया कि अभी ये बूंदें कहां से गिरीं इसका पता नहीं चल सका है।

एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा : इस घटना का सबसे पहले पता २९ मार्च को उस समय चला जब स्कूल की एक छात्रा पर ऐसी बूंदें गिरीं। इसके बाद यह कक्षा दूसरे भवन में लगा दी गई लेकिन वहां भी पांच अन्य छात्रों पर ऐसी बूंदें गिरने पर उस दिन के लिए स्कूल ही बन्द कर दिया गया।

इन बूंदों की जांच करने पर पाया गया है कि इसमें मानवीय रक्त के गुण हैं।

बादल, तोहड़ा सशर्त रिहाई को तैयार नहीं

चंडीगढ़, २९ अप्रैल (प्रेट्र)। एकीकृत अकाली दल (तलवंडी गुट) ने आज घोषणा की है कि पंजाब के भूतपूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष गुरुचरण सिंह तोहड़ा सहित कोई भी नेता सशर्त रिहाई के लिए तैयार नहीं होगा।

पिछले गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल सिद्धार्थ शंकर राय ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि प्रकाश सिंह बादल को रिहाई से पहले 'खालिस्तान और आतंकवादियों के बारे में अपनी स्पष्ट राय जाहिर करनी होगी।'

एकीकृत अकाली दल (तलवंडी) की बैठक में एक पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि आनंदपुर साहिब प्रस्ताव न तो 'राष्ट्रविरोधी' है और न ही अलगाववादी।

सिंगापुर में भारतीयों को सजा पर चिंता

सिंगापुर, २९ अप्रैल (यून्यू)। भारत के विदेश राज्यमंत्री नटवर सिंह ने यहां मियाद खत्म होने के बाद भी रुकने वाले नौ भारतीयों को जेल भेजने और कोड़े लगाने की सजा दिए जाने पर गहरी चिन्ता प्रकट की है।

यहां से जकार्ता रवानगी के पूर्व चांगी हवाई अड्डे पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि भारतीय उच्चायुक्त योगेश मोहन तिवारी से इस मसले पर सिंगापुर सरकार से शीघ्र चर्चा करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील भी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस मसले को भारत ने बड़ी गम्भीरता से लिया है। उन्होंने आशा प्रकट की कि इस दंड का कार्यान्वयन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि दंड का कार्यान्वयन हुआ तो भारत और सिंगापुर के सम्बन्धों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने ऐसे दंड को मानव अधिकारों का उल्लंघन बताया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां २४ से ३८ वर्ष की उम्र के नौ भारतीयों को मंगलवार को मियाद खत्म होने के बाद भी ठहरने का दोषी पाया गया। इन्हें तीन से आठ महीने की कैद और कोड़े लगाने की सजा सुनाई गई है।

सिंगापुर के संशोधित आप्रवासी कानून के तहत ९० दिन से अधिक यहां ठहरने वाले विदेशी को कम से कम तीन कोड़े लगाए जाएंगे और जेल भेजा जाएगा। कैद की अवधि तीन माह से दो वर्ष तक हो सकती है।

भारत के उच्चायुक्त योगेश मोहन तिवारी ने कल सिंगापुर के विदेश सचिव से मुलाकात की। उन्होंने विदेश सचिव को इस मसले पर भारत का विरोध प्रकट किया।

श्री तिवारी शीघ्र ही विदेश मंत्री से भी मिलेंगे और उनसे इस मसले पर चर्चा करेंगे।

उच्चायोग के सूत्रों के अनुसार करीब दो सौ भारतीय इन दिनों सिंगापुर पुलिस की हिरासत में है। इन सभी पर आप्रवासी कानून के उल्लंघन का आरोप है।

बैंक से नौ लाख लूटे

बंगलूर, २९ अप्रैल (प्रेट्र)। कल रात सिंडीकेट बैंक से नौ लाख रुपए लूट लिए गए। घटना रायचुर जिले के सिंघनूर क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि पांच हथियार बंद डाकू कल अम्बेसेडर कार में सवार होकर आए और बैंक मैनेजर को धमका कर लाखों रुपए और जेवर उड़ा ले गए।

थ्रैशर मशीनें औरतों-बच्चों को अपंग बना रही हैं

—उषा राय—

नई दिल्ली, २९ अप्रैल। थ्रैशर के बजाय भूसा काटने की मशीन से दस या पन्द्रह गुना ज्यादा दुर्घटनाएं घट रही हैं। जिनके हाथ या उंगलियां कटती हैं, वे अक्सर औरतें या बच्चे होते हैं। ढोर पालने वाले घरों में आए दिन ही यह मशीन चलाई जाती है।

भूसा मशीन से घायल लोग गांव के अस्पतालों में या प्राइवेट इलाज करा लेते हैं। लेकिन कृषि, स्वास्थ्य या कल्याण मंत्रालयों को अहसास ही नहीं है कि नंगी ब्लेड और दांतेदार रोलर वाली यही मशीन कितनी खतरनाक साबित हो रही है। कई शहरों के अस्पतालों में भूसा मशीन की दुर्घटना को थ्रैशर-हादसा बता दिया जाता है। कई जगह ठीक से रिकार्ड नहीं रखा जाता।

सोनीपत जिले के नौ गांवों और उनके अस्पतालों का साल भर अध्ययन करने के बाद कृषि इंजीनियरों, डाक्टरों और समाज वैज्ञानिकों की एक टीम ने पाया है कि थ्रैशर, ट्रैक्टर और भूसा कटर से काफी दुर्घटनाएं हो रही हैं। थ्रैशर दुर्घटनाएं सिर्फ गर्मियों में पांच-छह हफ्ते या जाड़ों में कुछ दिन होती हैं, जब फसल कटती है। लेकिन भूसा मशीन की दुर्घटनाएं रोजाना होती ही रहती हैं।

प्राणि चिकित्सा इंजीनियरिंग केन्द्र के प्रोफेसर दिनेश मोहन और आई.आई.टी. के सामाजिक चिकित्सा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ. इमरान कादिर के अनुसार नौ गांवों के ७० प्रतिशत परिवारों के पास भूसा मशीन थी। सौ मामले खेती का काम करते-करते हाथ पैर कटने के सामने आए।

आजकल संकर गेहूं और धान उगाने वाले बहुत सारे किसान किस्म-किस्म की मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन दुर्घटनाओं पर शोध केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित है। कारखानों में जो मशीनें लगी होती हैं, उनमें सुरक्षा-प्रबंध भी होते हैं। लेकिन खेतों में नहीं।

प्रो. दिनेश मोहन और उनकी टीम ने जब नौ गांवों में साल भर काम किया, तो उन्होंने पाया सईदपुर में एक महिला के गले में बंधा दुपट्टा भूसा कटर के दांतों में फंस कर खिंचता चला गया और महिला को फांसी लग गई। दुर्घटना के अन्य शिकार ये हैं—जटोला गांव में पांच साल की लड़की सीमा, जिसकी उंगली कट गई। थाना खुर्द की पांच साल की पूनम जिसका अंगूठा चला गया। तुर्कपुर गांव में पांच साल का किशन, जिसकी दो उंगलियां कट गईं। जनता देवी (२६), भरतो (५५) जिनकी गोपालपुर में उंगलियां कटीं। थाना खुर्द का रघुवीर (१८) जिसकी उंगलियां इस तरह सुन्न हो गईं कि काटनी पड़ीं। मंदौरी में १९ वर्षीय राजेश, जिसका हाथ शादी के बाद कुहनी के नीचे से काटना पड़ा।

गाय-बैल को चारा सानी महिलाएं ही देती हैं। गेहूं और गन्ने को मशीन में काट कर भूसी वे ही बनाती हैं। बच्चे उनके पास खेलते रहते हैं। उंगली या हाथ पहले तो रोलर में कुचल जाता है और फिर ब्लेड उसे काट देती है।

भूसा कटर आजकल ट्रैक्टर या डीजल इंजन से एक बैल्ट लगा कर भी चलाया जाता है। कई बार ब्लेड पर तेज धार करने के चक्कर में लोग उंगलियां काट बैठते हैं। ऐसे बिजली वाले भूसा कटर में बचाव की गुंजाइश ही नहीं है। चारे के टुकड़े छोटे हैं, तो हाथ फंस सकता है। कभी-कभी चारा रखने की जगह छोटी होती है या होती ही नहीं। कभी बच्चे नादानी में चलाते रहते हैं। मशीन का हर पुर्जा कोई अलग कारीगर बनाता है और बेचने वाला सिर्फ पुर्जों को जोड़ कर दे देता है।

अध्ययन दल ने ऊपर से चारा डालने वाली एक नई डिजाइन भूसा कटर के लिए सुझाई है। ऊपर का गाला इतना गहरा होगा कि पेंदे तक हाथ न पहुंचे। तब दांतों वाले रोलर की जरूरत नहीं होगी। शरीर को आड़ा तिरछा या उकड़ूं करके काम नहीं करना होगा। हर चलता हुआ पुर्जा ढका हुआ होगा।

६५० से ८०० रुपए के बीच आने वाले कटर में यदि ६०-७० रुपए और लगा दिए जाएं, तो ब्लेड के सामने गार्ड लगा सकते हैं, ताकि उंगलियां उन्हें छू ही न पाएं। बच्चे यदि गलत जगह हाथ डालें, तो भी नहीं। फिर एक ताला हो सकता है, ताकि अकस्मात फ्लाय व्हील न चलाया जा सके। दांतों वाले रोलर के पहले एक डमी रोलर लगाया जा सकता है, ताकि उंगलियां चारा डालते-डालते पहले मासूम रोलर का ही स्पर्श करें और हाथ पीछे हटाने के लिए काफी समय मिल जाए।

चारा डालने का गहरा गाला दिनेश मोहन की राय में सबसे जरूरी है। उसकी ऊंचाई इतनी होनी चाहिए कि खड़े होने के लिए चौकी जरूरी न हो।

नौ गांवों के पचास किसानों ने भूसा मशीन की नई डिजाइन में दिलचस्पी बताई है। आई.आई.टी. के लोग ऐसे मेकेनिक खोज रहे हैं, जो जरूरी फेरबदल कर सकें।

लेकिन यह तो समुद्र में बूंद जैसा प्रयत्न होगा। सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई करनी होगी, ताकि मौजूदा कुट्टी मशीनों को बदला जा सके और आई.एस.आई. मार्का सुरक्षित चीजें बेची जा सकें।

थ्रेशर को निरापद बनाना जरूरी है

—उषा राय—

नई दिल्ली, ३० अप्रैल। बिजली चलित थ्रेशरों द्वारा इंसानी हाथों की फसल की सालाना कटाई पर पंजाब विश्वविद्यालय का अध्ययन और अखबारों की रपट छपे दस साल गुजर चुके हैं, लेकिन हादसों का सिलसिला जारी है।

१९७९ में भारतीय मानक संस्थान और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने थ्रेशर के ढालू 'शूट' (प्रणाल) की जो लंबाई निर्धारित की थी, पचास फीसदी थ्रेशरों के शूट उससे भी कम लंबे हैं विशेषज्ञों ने थ्रेशर को निरापद बनाने के लिए उसे फिर से डिजाइन किया था। १९८३ के खतरनाक मशीन (नियमन) कानून के तहत थ्रेशर के शूट सहित कुछ हिस्सों को निरापद बनाना जरूरी हो गया है। इसके मुताबिक ९० सेंटीमीटर के शूट का ४५ सेंटीमीटर हिस्सा आवृत चाहिए ताकि उसे उपयोग में लाने वाले व्यक्ति का बाजू थ्रेशिंग ड्रम की चपेट में नहीं आने पाए।

लेकिन अब प्राणी चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आई.आई.टी., दिल्ली ने हरियाणा के सोनीपत जिले के नौ अपेक्षाकृत आसूदा हाल गांवों तथा रोहतक मेडिकल कालेज अस्पताल, सोनीपत जिला अस्पताल और दिल्ली के हिन्दूराव अस्पताल, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल और हरियाणा के निजी डाक्टरों के पास १९८७ और १९८८ में दर्ज मामलों से निष्कर्ष निकाला है कि एक खास लंबाई के शूट भी अपर्याप्त हैं। आई.आई.टी. की टीम ने पाया कि आई.एस.आई. के सुरक्षा निर्देशों के मुताबिक बनी मशीनों से भी हाथ कट रहे हैं। इसीलिए १९८३ के कानून के उल्लंघन का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ।

हालांकि ये अहसास जरूर है कि थ्रेशर हादसों में कमी आई है, हालांकि इसे वैज्ञानिक तौर पर साबित करने वाला कोई अध्ययन नहीं किया गया है। आई.आई.टी. टीम के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल हजारों किसानों और खेत मजदूरों के हाथ थ्रेशर या भूसा काटने वाली मशीनों से कट जाते हैं और ये बहुत गौर-तलब हो गया है कि खेती-किसानी के काम आने वाली मशीनों के डिजाइन निरापद हैं।

अस्पतालों या निजी डाक्टरों के पास पहुंचे ४९ दुर्घटनाग्रस्त लोगों में से २३ को या तो अपने हाथ कटवाने पड़े या फिर उनके हाथ बुरी तरह कुचल दिए गए। हालांकि हरियाणा के ९ गांवों में ११ मामले ऐसे भी हैं, जहां थ्रेशर दुर्घटनाओं में किसी का हाथ तो नहीं कटा, लेकिन कुछ मामलों में उंगलियां नहीं बचाई जा सकीं। थ्रेशर के ग्यारह शिकारों में से चार बच्चे थे, इनमें से तीन तब गीरफ्त में आए, जब ये थ्रेशर के पास खेल रहे थे।सोनीपत जिले के खरखौदा ब्लाक के ९ गांवों में पाया गया कि पचास फीसदी थ्रेशरों में लगाए गए शूट नियत अंकित से छोटे हैं।

किसानों का कहना है कि उस मशीन में डाली जाने वाली फसल गीली है तो दुर्घटना की आशंका ज्यादा रहती है, क्योंकि तब मशीन एक झटका देती है और इसके पहले कि हाथ खींचा जाए, हाथ मशीन की गीरफ्त में होता है। यों इसकी भी वैज्ञानिक जांच शेष है, हालांकि कम से कम तीन व्यक्ति ऐसे हैं, जो हाथ कटा चुके हैं और इसका दोष गीली फसल को देते हैं। पहले के अध्ययनों में कहा गया था कि जब देर रात तक, लगातार कई घंटों तक काम किया जाए, दुर्घटना के अवसर कहीं ज्यादा होते हैं। रात को ही किसान मशीनों को चलाने के लिए बिजली पाते हैं। जागते रहने और काम पूरा करने के लिए वे नशे की गोलियां ले लेते हैं। कई मर्तबा किसान शराब पीकर मशीन चलाते थे और खुद ही खतरे को न्यौतते थे।

लेकिन आई.आई.टी. के अध्ययन में शराब या नशा-पत्ता करने वालों का कहीं उल्लेख नहीं है। कुछ हादसे तो मशीन शुरू होने के १० मिनट से ३० मिनट के भीतर हुए और शुरुआत में व्यक्ति काफी ताजा होता है। रोहतक जिले के ठण्डालू गांव की कश्मीरी दोपहर को फट्टे पर खड़ी होकर थ्रेशर में फसल डाल रही थी कि अचानक झटका लगा और उसके बाएं हाथ की सभी उंगलियां कट गईं।

न तो वे शराब पीती हैं और न ही नशा-पत्ता करती हैं। कश्मीरी की ही तरह रोहतक के कलोयी गांव की ४२ वर्षीय सन्ना देवी दिन में साढ़े तीन बजे थ्रेशर में गेहूं डाल रही थीं कि दस मिनट के भीतर उन्हें झटका लगा और कलाई से उनका हाथ अलग हो गया।

भिवानी के पास कलानौर गांव के ४२ वर्षीय ईश्वर सिंह के थ्रेशर का शूट नियत आकार से थोड़ा छोटा था। वे बैलगाड़ी पर खड़े होकर थ्रेशर चला रहे थे कि उनका पांव फिसला, उन्होंने संतुलन खोया और बाजू का अगला हिस्सा भी। दुर्घटना सुबह ११ बजे, काम शुरू करने के १० मिनट के भीतर हुई।

और बागपत के पटोला गांव में मझोली उम्र का यह शख्स हादसे का शिकार हुआ, जो पांच बरस से थ्रेशर चला रहा था। उसे खुद नहीं पता कि ये हुआ कैसे अचानक उन्होंने एक कर्कश आवाज सुनी और जैसे ही उन्होंने अपन हाथ खींचा, कुहनी के नीचे से वह कट चुका था। हादसा रात दस बजे हुआ था। कटे हुए हाथ को लेकर वे रात २ बजे अस्पताल पहुंचे और अब हाथ जुड़ने की कोई उम्मीद नहीं थी। ऐसे ही एक मामले में हालांकि डाक्टर सफल रहे थे।

ज्यादातर हादसों में होता यह है कि प्राथमिक इलाज एक घंटे में मिल पाता है और जिला अस्पताल तक जाने में और ज्यादा वक्त लगता है। कई मर्तबा ये लोग ट्रैक्टर या निजी वाहनों में बर्दाश्त बाहर भाड़ा चुकाकर लाए जाते हैं। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि जहां भूसा—काटने की मशीनों के शिकार लोगों में २९ फीसदी महिलाएं थीं वहां—थ्रेशर के शिकारों में वे १२ प्रतिशत हैं।

निरापद थ्रेशर की वकालत करते हुए प्रो. मोहन और उनकी टीम का कहना है कि एक सीधे शूट के जरिए अनाज मशीन में डाला जाए। थ्रेशिंग ड्रम पर प्रवेश की जगह एक डमी रोलर चेतावनी बतौर लगाया जाए ताकि ड्रम में हाथ ले जाने पर भी उंगलियां सुरक्षित रहें। हाथ के बजाय ग्रेविटी प्रणाली या कन्वेयर बेल्ट प्रणाली भी सुझाई गई है।

कई मर्तबा वह फट्टा जिस पर खड़े होकर किसान मशीन में अनाज डालते हैं, पर्याप्त ऊंचाई का नहीं होता और किसान को झुकना पड़ता है। इसके लिए सुझाया गया है कि फट्टा मजबूत हो तथा थ्रेशर के साथ ही आए ताकि उसकी ऊंचाई नियमित हो। किसान के लिए भी जरूरी है कि वह फट्टे पर सीधा खड़ा रहे।

ये बहुत महत्व का है कि किसानों, प्रशासकों और व्यापारियों को उस उपकरण के महत्व तथा सुरक्षा पहलुओं के बारे में बता दिया जाए कि जिसका वे इस्तेमाल करते हैं। कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने और उन पर लगातार निगाह रखने तथा सुधार करने की बहुत जरूरत है, क्योंकि तकनीकी बहुत तेज रफ्तार से बदल रही है और कृषि के क्षेत्र में सभी कारखानों में काम कर रहे लोगों से कई ज्यादा लोग लगे हुए हैं। —(जारी)

नाव डूबी, आंठ मरे

कलकत्ता, ३० अप्रैल (प्रेट्र)। हुगली जिले में जीरत के पास गंगा में एक नाव डूब जाने से आठ से ज्यादा व्यक्ति डूब गए। इस नाव में २२ व्यक्ति थे।

टीकाराम का हाथ १९८१ में थ्रेशर से कट गया था। अब वह कटे हाथ से अपना काम किसी प्रकार चला लेता है। चित्र में : हजामत करते हुए।

अरुण नेहरू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दहाड़ते हुए अरुण नेहरू के निवास पर गए और उनका बयान सुनकर चूहे की तरह लौट आए। यह उपमा अतिरंजित भी हो सकती है। पर यह सच है कि एक साल बाद अरुण नेहरू से पूछताछ का फैसला सहज नहीं है।

देश के तमाम पुलिस संगठनों को २० हजार पिस्तौल की जरूरत थी। आंतरिक सुरक्षा राज्यमंत्री के रूप में अरुण नेहरू ने सौदा एक प्रक्रिया में तय कराया। वित्त मंत्रालय की मंजूरी और तत्कालीन गृहमंत्री के अनुमोदन से सौदा तय हुआ। पिस्तौल की खरीद के लिए जो प्रस्ताव आए थे, उनमें ब्राजील की ब्राउनिंग पिस्तौल सबसे कीमती (३६८ डालर) और चेकोस्लोवाकिया की पिस्तौल (२४० डालर) सबसे सस्ती थी।

किसी सौदे का फैसला दो आधारों पर किया जाता है। पहला : किफायत और दूसरा अपेक्षाकृत अधिक गुणवत्ता। इस सौदे में चेक पिस्तौल की खरीद को वरीयता इस कारण भी दी गई कि सौदा रुपए में होना था। इससे भारत के खजाने से विदेशी रुपए का खर्च भी नहीं हुआ। पहली खेप का सौदा करीब चार करोड़ का रुपए का था। सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के प्रतिनिधियों और एक अतिरिक्त सचिव की समिति ने २२ मई १९८६ को प्रस्तावों का मूल्यांकन कर एक सिफारिश की। सिफारिश चेक पिस्तौल के लिए थी। ८ अगस्त १९८६ को गृह सचिव ने उसे अनुमोदित किया। उसके बाद ३ सितम्बर १९८६ को गृहमंत्री ने भी संस्तुति कर दी।

चेक पिस्तौल की एक खेप (करीब पांच हजार पिस्तौलें) भारत पहुंची। तब तक अरुण नेहरू मंत्रिमंडल से हट चुके थे। बूटासिंह गृहमंत्री हो गए थे। नया मूल्यांकन कराया गया। उसमें चेक पिस्तौल में खराबी पाई गई। उसे वापस करने का फैसला हुआ। चेक पिस्तौल की पहली खेप वापस हो गई। उसकी कीमत भी करीब चार करोड़ रुपए वापस आ गई। लेकिन खरीद की पूंजी के सूद की वापसी पर विवाद है। इससे साफ है कि खरीद में कमीशन की लेन-देन नहीं है। चेक कम्पनी सरकारी है। उसका नाम मरकूरिया है।

इस खरीद में केन्द्रीय जांच ब्यूरो क्या खोजे, यह उसकी सबसे बड़ी परेशानी है। अरुण नेहरू के बयान से नए पहलू जुड़ गए हैं। क्या उन्होंने सही बयान दिया है। इस पर भी विवाद हो सकता है। क्या उन्हें झूठ पकड़ने वाली मशीन से गुजारा जाएगा? इस बारे में अभी फैसला होना है। उनके बयान से पूछताछ का अंतहीन सिलसिला [illegible] सकता है। [illegible] जिन्होंने [illegible] उच्चस्तर [illegible] वी.के.जैन [illegible] खिलाफ [illegible] गई थी। [illegible]

चेक [illegible] अरुण नेहरू [illegible] २५ मई [illegible] वहां से [illegible] ही जाते [illegible] विचार की [illegible] खरीद का [illegible] जुलाई में [illegible] अरुण नेहरू [illegible] फाइलों पर नहीं मिल पा रहे हैं।

साहित्यकार 'कुसुमाग्रज' का अभिनंदन

नई दिल्ली, ३० अप्रैल (एस)। ज्ञानपीठ-पुरस्कार से सम्मानित, मराठी के प्रसिद्ध साहित्यकार [illegible] 'कुसुमाग्रज' का आज यहां एक [illegible] समारोह में अभिनंदन किया गया। विदेश मंत्री श्री पी. वी. नरसिंह राव ने श्री कुसुमाग्रज को [illegible] [illegible]

[illegible]

श्री नरसिंह राव का कहना था कि श्री कुसुमाग्रज भारतीय साहित्यकारों में अग्रणी हैं और उन्होंने भारतीय अस्मिता व संस्कृति के मूल्यों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। [illegible]

[illegible]

संशोधित वेतन पहली मई से

नई दिल्ली, ३० अप्रैल (स)। दिल्ली में सभी २९ निर्धारित रोजगारों में न्यूनतम संशोधित वेतन पहली मई से लागू होगा। दिल्ली प्रशासन ने यह घोषणा की है।

निजी तथा गैर स्वीकृत शिक्षण संस्थाओं में अर्ध-विशेष दक्षता प्राप्त लोगों को अब ८४३ रुपए प्रतिमाह, दक्षताप्राप्त को १,००० रुपए मैट्रिक पास क्लर्कों को १,०१४ रुपए और स्नातक तथा उच्च को ११९८ रुपए प्रतिमाह न्यूनतम वेतन मिलेगा। इन संस्थाओं में अध्यापकों के लिए अप्रशिक्षित मैट्रिक या हायर सेकेंडरी को १,०५४ रुपए, प्रशिक्षित मैट्रिक को १,०१४ रुपए अप्रशिक्षित स्नातक को ११९८ रुपए तथा प्रशिक्षित स्नातक को १२६३ रुपए मासिक वेतन मिलेगा। शिक्षण अर्हता के बगैर स्नातकोत्तर को १२६३ रुपए और ट्रेनिंग प्राप्त स्नातकोत्तर (एम.ए. आदि) को १३२७ रु वेतन मिलेगा। अर्ध-दक्ष या निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में ९०० रु. तथा दक्षता प्राप्त को ११०५ रु. मासिक मिलेंगे।

उपराज्यपाल श्री रमेश भंडारी ने न्यूनतम वेतन बोर्ड से परामर्श करने के बाद न्यूनतम वेतनों में संशोधन किया है।

ज्ञातव्य है कि दिल्ली प्रशासन ने पहली बार महंगाई भत्ते को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जोड़ दिया है।

कांग्रेस तरुणों का अभिनंदन करेगी

नई दिल्ली, ३० अप्रैल (विस)। युवक कांग्रेस तरुण अभिनन्दन करने जा रही है। इस अभियान में उसके कार्यकर्ता जगह-जगह १८ साल के नए मतदाताओं से सम्पर्क करेंगे। उन्हें प्रधानमंत्री के 'एहसान' की याद दिलाई जाएगी।

युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय समिति के सदस्यों की बैठक में यह अभियान आज तय किया गया। यह २१ मई तक चलाया जाएगा। अगले दिन प्रखंडों पर रैली की जाएगी। युवक कांग्रेस के एक बयान के मुताबिक इन रैलियों में नेतागण नेहरू और युवक विषय पर खास तौर से बोलेंगे।

पिछले फरवरी में युवक कांग्रेस की ऐसी ही बैठक हुई थी। उसमें राज्य सम्मेलन, जिला रैली और बूथ कमेटियां बनाने का फैसला किया गया था। युवक कांग्रेस के नेता युगराज भदौरिया के मुताबिक मार्च और अप्रैल में ३२ में से २२ राज्यों के सम्मेलन हुए। तीन चौथाई जिलों में रैली की गई। पिछले छह महीने से बूथ समितियों को बनाने का कार्यक्रम चल रहा है। इन दो महीनों में उसमें तेजी आई। इस रिपोर्ट पर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष मुकुल वासनिक को संतोष है। मन का यह सुख उनके पूर्ववर्ती अध्यक्षों को उपलब्ध नहीं था।

गोली चलाई

नई दिल्ली, ३० अप्रैल (स)। मंदिर मार्ग क्षेत्र में एक अज्ञात कार चालक को रोकने के लिए आज रात एक सिपाही ने गोली चला दी लेकिन कार चालक भागने में सफल हो गया।

पुलिस के अनुसार डा. राममनोहर लोहिया अस्पताल के पीछे की सड़क पर सिपाही को एक कार चालक पर संदेह हुआ। इस स्थान के साथ ही पुलिस लाइंस जिसमें राष्ट्रपति के अंगरक्षक रहते हैं। सिपाही ने कार चालक को रुकने का इशारा किया लेकिन रुकने की बजाय उसने कार तेजी से भगा दी। इस पर सिपाही ने दो राउंड गोलियां चलाईं।

बताया गया है कि कार का नम्बर पुलिस ने नोट कर लिया है तथा जांच की जा रही है।

सिक्किम में कांग्रेस की रैली

[illegible]

Welcome The New Session with Well-Planned & Well-Prepared High Profile

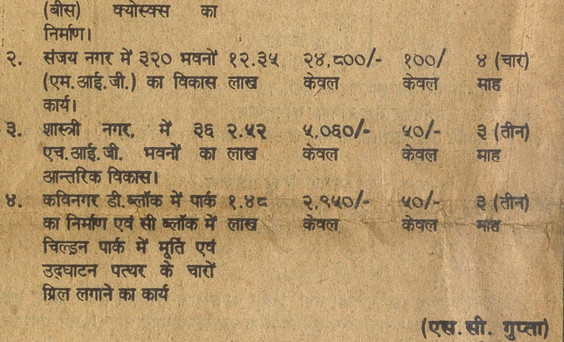

MBD BOOKS

True to Style-Syllabus & Board's Question Papers

From 3rd to 12th CBSE and Delhi Board (on all Subjects)

Available with your local booksellers

JUST FOR 3 DAYS 1st to 3rd May 89

EXHIBITION CUM SALE

TOTAL RANGE OF POLAR FANS & COOLER ITEMS

Come for Surprise Prices & Gifts...

Mahavira TRADING CO. 1853, Bhagirath Palace, Delhi-110006. Phone: 234693

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण

गाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश

एक सुन्दर शहर-हमारा संकल्प

अल्प कालीन निविदा सूचना

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के पंजीकृत ठेकेदारों से मोहरबंद निविदाएं दिनांक ६-५-८९ को विशेषाधिकारी कार्यालय में आमंत्रित की जाती हैं, तथा ठेकेदारों के समक्ष (यदि उपस्थित हुए) ३-३० बजे खोली जाएंगी। निविदाएं दिनांक ५-५-८९ को सायं ४-०० बजे तक विशेषाधिकारी-कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। अन्य शर्तें अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रु.	धरोहर राशि रु.	निविदा का मूल्य	समय अवधि
१.	सैक्टर-४, जी.एम.पी., विवेकानन्द नगर में २० (बीस) क्योस्क्स का निर्माण।	१.३१ लाख	२६२०/ केवल	५०/ केवल	३ (तीन) माह
२.	संजय नगर में ३२० भवनों (एम.आई.जी.) का विकास कार्य।	१२.३५ लाख	२४,८००/- केवल	१००/ केवल	४ (चार) माह
३.	शास्त्री नगर, में ३६ एच.आई.जी. भवनों का आन्तरिक विकास।	२.५२ लाख	५,०६०/- केवल	५०/- केवल	३ (तीन) माह
४.	कविनगर डी.ब्लॉक में पार्क का निर्माण एवं सी ब्लॉक में विल्इन पार्क में मूर्ति एवं उद्घाटन पत्थर के चारों ग्रिल लगाने का कार्य	१.४८ लाख	२,९५०/- केवल	५०/- केवल	३ (तीन) माह

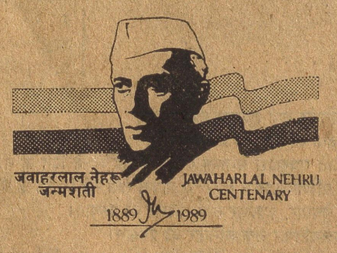

(एस.सी. गुप्ता)
मुख्य अभियन्ता,
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद।